NaiDunia (Indore), 25th June 2026, Naidunia City, P- 01

पहली बार दो विशेष एमटेक कार्यक्रम के विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री

27 जून को होगा आइआइटी का दीक्षा समारोह, नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर अभय करंदीकर होंगे अतिथि

- सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध प्रबंध के लिए महिला शोधार्थी को मिलेगा पदक
- सात स्वर्ण पदक भी प्रदान किए जाएंगे

एक नजर आंकड़ों पर

- **807** विद्यार्थियों को डिग्रियां दी जाएंगी
- **356** बीटेक के विद्यार्थी
- **146** एमटेक के विद्यार्थी
- **111** पीएचडी शोधार्थी होंगे शामिल
- **102** एमएससी के विद्यार्थी
- **69** एमएसडीएसएम कार्यक्रम के विद्यार्थी
- **23** एमएस (रिसर्च) के विद्यार्थी
- **7** स्वर्ण पदक भी प्रदान किए जाएंगे

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) का 14वां दीक्षा समारोह 27 जून को आयोजित होगा। इस बार का समारोह कई मायनों में खास रहेगा। पहली बार वाहन उद्योग के कर्मचारियों के लिए शुरू किए गए एमटेक इन हाईब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी कार्यक्रम के पहले दो बैचों के विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

इसके साथ ही सेंटर आफ फ्यूचरिस्टिक डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलाजी के एमटेक कार्यक्रम के पहले बैच के विद्यार्थियों को भी उपाधि मिलेगी। समारोह में नीति आयोग के सदस्य और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

दीक्षा समारोह में कुल 807 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 111 पीएचडी शोधार्थी, 356 बीटेक, 146 एमटेक, 23 एमएस (रिसर्च), 102 एमएससी और 69 एमएसडीएसएम कार्यक्रम के विद्यार्थी शामिल हैं। एमटेक विद्यार्थियों में हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलाजी कार्यक्रम के 19 और सीएफडीएसटी कार्यक्रम के दो विद्यार्थी भी शामिल हैं। समारोह के दौरान शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सात प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक भी दिए जाएंगे। इनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, बूटी फाउंडेशन स्वर्ण पदक, वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक, संस्थान स्वर्ण पदक, अगम प्रसाद स्मृति स्वर्ण पदक, श्रीगण्टि सुब्बा राव एवं श्रीमती गण्टि वेंकट रमाणी पुरस्कार और नवस्थापित अशोक बंसल स्मृति स्वर्ण पदक शामिल हैं।

सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध प्रबंध के लिए भी पदक: अशोक बंसल स्मृति स्वर्ण पदक इस वर्ष पहली बार प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार आइआइटी इंदौर के सभी विभागों में किसी महिला शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध प्रबंध के लिए दिया जाएगा।

संस्थान के अनुसार यह सम्मान महिला शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों में आठ विद्यार्थियों को संस्थान रजत पदक भी प्रदान किए जाएंगे। इनमें बीटेक के विद्यार्थियों के लिए पांच रजत पदक, एमएससी और एमटेक विद्यार्थियों के लिए एक-एक स्नातकोत्तर रजत पदक तथा एमएसडीएसएम कार्यक्रम के लिए एक रजत पदक शामिल है।

स्नातक स्तर पर शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की ओर से सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना पुरस्कार भी दिया जाएगा। आइआइटी के शासी मंडल के अध्यक्ष डा. के. शिवन समारोह की अध्यक्षता तो संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी मेजबानी करेंगे।

2-डी पदार्थों के विकास और तकनीक पर हुई चर्चा

'2-डी मैटटेक ग्लोबल: फंडामेंटल्स टू एप्लीकेशन्स' विषय पर कांफ्रेंस में शामिल अतिथि और अन्य ● सौजन्य आयोजक

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: 2डी पदार्थों से जुड़े नवीनतम शोध, तकनीकी विकास और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए आइआइटी, राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र और यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम फार साइंटिफिक रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में '2-डी मैटटेक ग्लोबल: फंडामेंटल्स टू एप्लीकेशन्स' विषय पर कांफ्रेंस आयोजित की गई। इसमें विज्ञानी, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, उद्योग विशेषज्ञ और विद्यार्थी शामिल हुए। 2डी ऐसे अत्याधुनिक पदार्थ हैं जिनका उपयोग भविष्य की इलेक्ट्रानिक्स, ऊर्जा, सेंसर और क्वांटम तकनीकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान के पूर्व कुलाधिपति डा. अनिल काकोडकर थे। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार के महत्व पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान आइआइटी के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा कि 2डी पदार्थों का क्षेत्र आज विज्ञान और इंजीनियरिंग के सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में शामिल है। कांफ्रेंस के संयोजक प्रोफेसर रूपेश एस. देवन और सह-संयोजक डा. राम जे. चौधरी, डा. रवींद्र जांगिड़ के अनुसार कांफ्रेंस के लिए 400 से अधिक शोध-सार प्राप्त हुए हैं।